प्रेस समाचार

जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mp1@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

21 मार्च, 2006

विकासशील क्षेत्रीय ऊर्जा बाजार पर सेमीनार

नई दिल्ली -- अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) के साउथ एशिया रीजनल इनीशिएटिव फॉर एनर्जी (एसएआरआई/ई) अनुभाग द्वारा आज हयात रीजेंसी होटल में "डेवलपिंग एनर्जी मार्केट्स" नामक एक दो-दिवसीय सेमीनार का शुभारंभ किया गया। दक्षिण एशियाई तथा अफ्रीकी देशों के बहुत से प्रतिनिधियों के साथ-साथ अमेरिकी प्रतिनिधि भी सेमीनार में भाग ले रहे हैं।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए अमेरिकी दूतावास के प्रभारी, रॉबर्ट ओ. ब्लेक ने कहा, "यह सेमीनार क्षेत्र के प्रतिनिधियों के लिए व्यापार एवं निवेश के बारे में तथा दक्षिण एशिया में ऊर्जा बाजार के संबंध में खुलकर बातचीत करने का सुनहरी अवसर है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा तथा बाजार ढांचे में सुधार दक्षिण एशिया में निवेश तथा व्यापार को प्रेरित करेगा। अमेरिका, दक्षिण एशिया में ऊर्जा बाजार को प्रोत्साहन देने, निवेश बढ़ाने तथा व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने के प्रयासों को सहयोग करने हेतु तैयार है।"

सेमीनार के द्वारा यूएसएड के एसएआरआई/एनर्जी कार्यक्रम का प्रयास दक्षिण एशियाई देशों में प्रतिस्पर्धी वाणिज्यिक कार्यक्रमों तथा बाजार ढांचे को प्रोत्साहन देना तथा क्षेत्रीय व्यापार व निवेश के लिए सार्वजनिक निजी साझेदारी को बढ़वा देना है। भारत तथा दक्षिण एशिया की ऊर्जा निश्चितता, ऊर्जा सेक्टर के विकास के लिए ऐसे निवेश के अंतर्प्रवाह पर निर्भर है।

पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी वाणिज्यिक चलन निवेशकों को समानता प्रदान करेगा तथा ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए ऊर्जा सेक्टर को जरूरी विकास करने हेतु प्रेरित करने में सहायता करेगा। सेमीनार में भाग लेने वाले विश्व के ऊर्जा बाजारों के विकास के बारे में बातचीत करेंगे, बाजार ढांचे का अध्ययन करेंगे जिससे बुनियादी ढांचे में सुधार और विदेश व्यापार तथा दक्षिण एशिया में ऊर्जा निश्चितता के लिए राष्ट्रीय दृष्टिकोण का विकास होगा।

यूएसएड का एसएआई/एनर्जी अनुभाग आठ देशों में कार्यरत है- अफगानिस्तान, बंगलादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान तथा श्रीलंका। वर्ष 2000 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम स्वच्छ ऊर्जा हेतु व्यापार, निवेश तथा उपलब्धता को बढ़ावा देकर दक्षिण एशिया की ऊर्जा निश्चितता जरूरतों को पूरा करने हेतु केंद्रित है।

***